

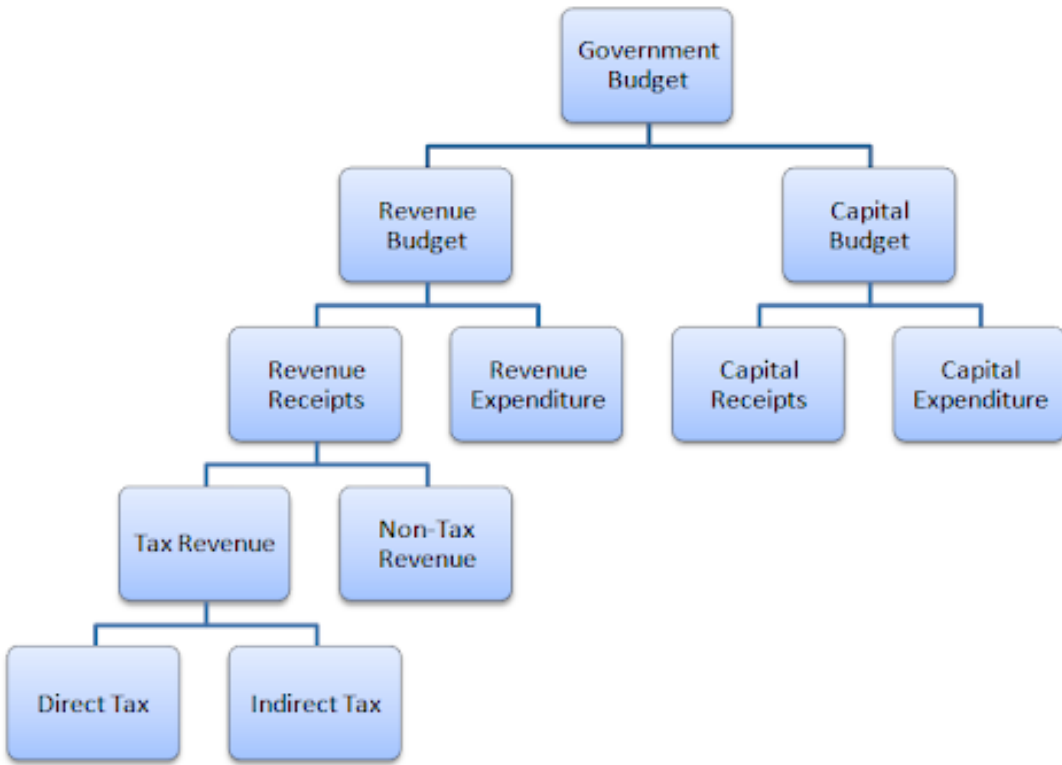
राज्य का वित्तीय परदृश्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में झारखंड में **वधानसभा चुनावों** की गतिविधियाँ बढ़ गई हैं, जिसमें सत्ताधारी और वपिक्षी दोनों गठबंधन मतदाताओं का समर्थन प्राप्त करने हेतु आर्थिक योजनाओं की शुरुआत कर रहे हैं।

मुख्य बंदि

- **राजस्व सृजन:**
 - झारखंड अपनी **राजस्व प्राप्ति** का केवल **30.8%** ही स्वयं के **कर संग्रह** से प्राप्त करता है, जिससे उसे **केंद्र सरकार के आबंटन** पर निर्भरता बना रहती है।
- **पेंशन योजनाएँ:**
 - राज्य ने **एकीकृत पेंशन योजना** का वसितार किया है, जिसके तहत **हाशयि पर स्थिति समूहों** (दलितों, आदवासियों और महिलाओं) के लिये पात्रता की आयु **60 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष** कर दी गई है।
 - सरकार केंद्रीय पेंशन नर्धि में 240.4 करोड़ रुपए जोड़कर यह सुनिश्चिती करती है कि प्रत्येक लाभार्थी को **मासिक 1,000 रुपए** प्राप्त हुए।
- **प्रतबिद्ध व्यय:**
 - वतित वर्ष 24 में झारखंड की **राजस्व प्राप्ति** का एक तर्हिई से अधिक हिस्सा वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान में चला गया, जिससे विकास परियोजनाओं के लिये राजकोषीय समुत्थानशीलता सीमति हो गई।
- **पूँजीगत व्यय केंद्र:**
 - झारखंड ने **पूँजीगत व्यय** को प्राथमकिता देने का नर्णय लिये है, जिसका उद्देश्य वतित वर्ष 2025 में अपने **GSDP** को **7.89%** तक पहुँचाना है, जो कि वतित वर्ष 2015 के **2.91%** की तुलना में एक महत्त्वपूर्ण वृद्धि है।
 - राज्य का **पूँजीगत व्यय GSDP अनुपात** कई राज्यों की तुलना में अधिक है, जो वतित वर्ष 24 में हाल ही में **7.57%** रहा, जो राष्ट्रीय औसत लगभग 4.9% से काफी अधिक है।
 - उच्च पूँजीगत व्यय से ऐसी परसिंपत्तियों के सृजन में सहायता मिलती है जो वर्तमान वित्तीय बाधाओं के बावजूद दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दे सकती हैं।



■ राजकोषीय अधशेष और ऋण चुनौतियाँ

- झारखंड वित्त वर्ष 2015 और वित्त वर्ष 2021 में कोविड-19 महामारी को छोड़कर अधिकांश वर्षों में **राजस्व अधशेष** में रहा है, जिससे राजकोषीय घाटा 2% (वित्त वर्ष 2021 में 5.2% के उच्च स्तर से नीचे) बना रहा।

■ ऋण से GSDP अनुपात:

- झारखंड का ऋण से GSDP अनुपात वित्त वर्ष 21 में 36% के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया और वित्त वर्ष 25 के लिये लगभग 27% अनुमानित उच्च स्तर पर बना हुआ है, हालाँकि पिछले अनुमानों को संशोधित कर ऊपर की ओर बढ़ाया गया है।
- **भारतीय रज़िर्व बैंक** ने झारखंड को उच्चतम ऋण से GSDP अनुपात वाले शीर्ष 10 राज्यों में स्थान दिया है, जो दीर्घकालिक ऋण स्थिरता पर चर्चाओं को उजागर करता है।

■ आर्थिक संकेतक और सामाजिक चुनौतियाँ

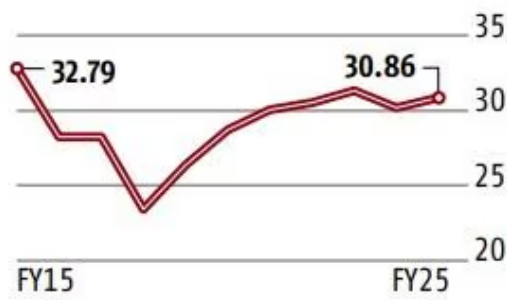
- बेरोज़गारी: झारखंड में **बेरोज़गारी दर** अपेक्षाकृत कम 1.3% (2023-24) है, जो राष्ट्रीय औसत 3.2% से काफी कम है।
- गरीबी का स्तर: झारखंड उच्च बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहा है, जहाँ 28% नवासी अभाव का अनुभव कर रहे हैं, जो **बिहार (33.7%) के बाद दूसरे स्थान पर है।**

■ मुद्रा स्फीति:

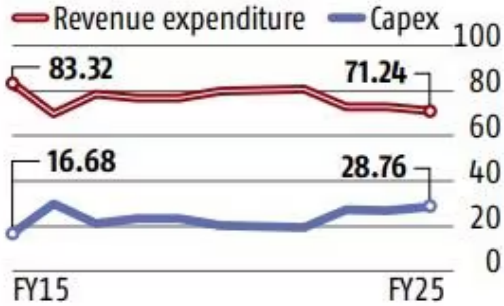
- **समग्र मुद्रास्फीति:** वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में घटकर 3.8% हो गई, जो राष्ट्रीय दर 4.6% से कम है।
- **खाद्य मुद्रास्फीति:** सितंबर में बढ़कर 8.9% हो गई, जो **राष्ट्रीय 8.4% से अधिक है, जबकि** अप्रैल से सितंबर तक औसत खाद्य **मुद्रास्फीति दर 6.7% थी**, जो अभी भी राष्ट्रीय परवृत्त से कम है।
- **नषिकर्ष:** झारखंड विधानसभा चुनाव के समीप आते ही, सत्ताधारी गठबंधन और वपिक्षी गठबंधन दोनों ही वित्तीय चुनौतियों, गरीबी और महंगाई के दबावों के संदर्भ में, मतदाताओं को आकर्षित करने हेतु प्रतस्पर्द्धात्मक सामाजिक कल्याण और आर्थिक योजनाओं में सक्रिय हैं।

JHARKHAND: STATE OF ECONOMY

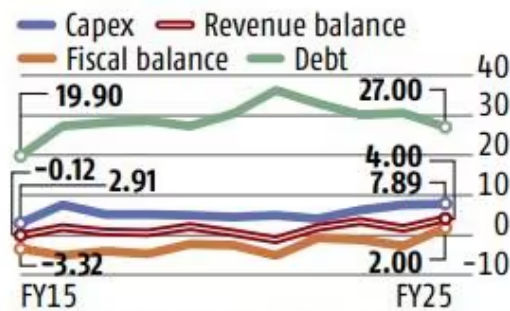
OWN TAX REVENUE AS % OF REVENUE RECEIPTS



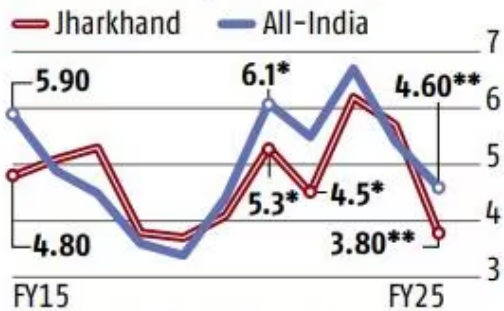
AS % OF TOTAL EXPENDITURE



AS % OF GSDP



INFLATION (% Y-o-Y)



Note: FY24 numbers are Revised Estimates; FY25 figures are Budget Estimates. *past 10 months, **first 6 months
Source: Jharkhand Budget documents, CAG, PRS legislative, MOSPI, and Business Standard calculations

<https://www.youtube.com/watch?v=E5nkC8c1T7k>

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/state-s-financial-landscape>